वार्षिक प्रतिवेदन
2019—20

राजस्थान महिला कल्याण मण्डल
चाचियावास, अजमेर

18 जुलाई 1975 राजस्थन महिला कल्याण मण्डल की स्थापना स्व. श्री सागर मल कौशिक ने संस्था की थी। इस दिन अजमेर में भयंकर बाढ़ आई थी। स्थानीय स्तर पर महिलाओं का संगठन बनाकर एक माह तक बाढ़ पीड़ितों को भोजन, कपड़े आदि मदद उपलब्ध कराने के पावन कार्य से बाढ़ पीड़ित लोगों की मदद में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा इसलिये संस्था का नाम **''राजस्थान महिला कल्याण मण्डल''** पड़ा।

4 सितम्बर 1987 से राजस्थान सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत पंजीकृत संस्था के रूप में ग्रामीण समुदाय के आर्थिक व सामाजिक विकास हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका संवर्धन व क्षमतावर्धन आदि गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण समुदाय के विकास हेतु सतत् प्रयास किया जा रहा है।

अपने अन्य कार्यक्रमों के साथ–साथ विशेष शिक्षा एवं सम्मिलित शिक्षा के क्षैत्र में विभिन्न नवाचार एवं अटल प्रयासों के लिए संस्था को तीन बार राष्ट्रीय स्तर पर पॉच बार राज्य स्तर पर एवं जिला स्तर पर कई बार श्रेष्ठ सामाजिक कार्य के लिए अवार्ड एवं सम्मान प्राप्त हुआ है।

वर्ष 2019–20 में संस्था ने अपने गौरवमय 45 वर्ष पूर्ण किए है। वर्ष के दौरान संस्था को बैंक ऑफ अमेरिका एवं दसरा मुम्बई द्वारा बौद्धिक एवं विकासात्मक दिव्यांगता तथा समावेशी शिक्षा पर कार्य करने वाली भारत की 10 सर्वश्रेष्ठ संस्थाओं में चयनित किया गया है। संस्था इस उपलब्धि के लिए अपने समस्त हितभागियों, दानदाताओं, सहयोगी संस्थाओं एवं अपने स्टाफ के साथ–साथ लक्षित समुदाय का आभार व्यक्त करते हुए अभिनन्दन करती है एवं इसी प्रकार भविष्य में भी निरन्तर सहयोग की अपेक्षा करती है।

अपने लक्ष्य व उद्देश्यों की पूर्ती के लिए संस्था द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों के अन्तर्गत वर्ष 2019–20 में पूर्ण किए गए कार्यों व गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण इस प्रतिवेदन के माध्यम से बिन्दुवार प्रस्तुत है।

शिक्षा एवं समावेश
(Education and Inclusion)

संस्था 1988 से अजमेर जिले में मानसिक विकलांग, ऑटिज्म, सेरेब्रल पॉल्सी एवं बहुविकलांग बच्चों के शिक्षण, प्रशिक्षण एवं पुनर्वसन के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। संस्था द्वारा अपने चार केन्द्रों के माध्यम से न केवल विशेष शिक्षा बल्कि सम्मिलित शिक्षा के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्य धारा में लाने का प्रयास कर रही है। साथ ही सामान्य बच्चों में दिव्यांगो की चुनौतियों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करते हुए विकलांग और सामान्य बच्चों के भेद कम करने का प्रयास किया जा रहा है।

संस्था द्वारा संचालित विभिन्न केन्द्रों एवं समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के माध्यम से लगभग 2000 दिव्यांगों को शिक्षा के साथ–साथ फिजियोथेरैपी, स्पीचथेरैपी, साइकोथेरैपी व अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराते हुए विभिन्न कार्यक्रमों व गतिविधियों से दिव्यांग बच्चों के व्यक्तिगत व सामाजिक विकास के लिए भी कार्य किया जा रहा है।

- **मीनू मनोविकास मन्दिर इक्लूसिव स्कूल, चाचियावास अजमेर**

मीनू स्कूल में लाभार्थी बच्चों का विवरण

क्र.सं.	विवरण	बालक	बालिका	योग
1	दिव्यांग	90	17	107
2	सामान्य	40	26	66
कुल योग		**130**	**43**	**173**

- **संजय इन्क्लूसिव स्कूल, ब्यावर**

क्र.सं.	विवरण	बालक	बालिका	योग
1	दिव्यांग	39	30	**69**
2	सामान्य	26	38	**64**
कुल योग		**65**	**68**	**133**

- **उम्मीद डे केयर सेन्टर, पुष्कर :–** 17 बालक व 5 बालिकाओं सहित कुल 22 दिव्यांग बच्चों को "उम्मीद" के माध्यम से सेवाएं दी जा रही है। पुष्कर कस्बे के अलावा आस–पास के ग्रामीण क्षेत्र के दिव्यांग बच्चे भी "उम्मीद" से लाभान्वित हो रहे है।

- **उड़ान डे केयर सेन्टर, रावतभाटा :–** न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से रावतभाटा क्षैत्र में विकलांगता के प्रति जागरूकता कार्यक्रमों व सर्वे कार्य के माध्यम से दिव्यांग बच्चों का चिन्हीकरण किया गया। चिन्हित बच्चों को विशेष शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्यु पुर्नवास सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से "उड़ान" डे केयर केन्द्र प्रारम्भ किया गया। वर्तमान में इस केन्द्र पर 31 बालकों व 11 बालिकाओं सहित कुल 42 दिव्यांगों को शिक्षण, प्रशिक्षण व पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है।
- **समुदाय आधारित पुनर्वास (सी.बी.आर.) कार्यक्रम :–** बच्चे जो संस्था द्वारा संचालित कन्द्रों तक नहीं पहूँच पाते है उनको सामुदायिक पुनर्वास कार्यक्रम (सी. बी.आर.) के माध्यम से बच्चों के घर जाकर अभिभावकों को प्रशिक्षित करते हुए लाभान्वित किया जा रहा है।
- **स्पर्श :–** बधिरांध बच्चों के लिए स्पर्श केन्द्र के द्वारा 5 बालक व 2 बालिकाओं को सेवाएं प्रदान की जा रही है।

सी.बी.आर. कार्यक्रम से लाभान्वित बच्चों की संख्या 2019–20

क्र.सं.	विवरण	बालक	बालिका	कुल बच्चे
1	पुष्कर	23	09	32
2	ब्यावर	237	138	375
3	अजमेर	391	178	569
कुल योग		**651**	**325**	**976**

विभिन्न योजनाओं से बच्चों का जुड़ाव 2019–20

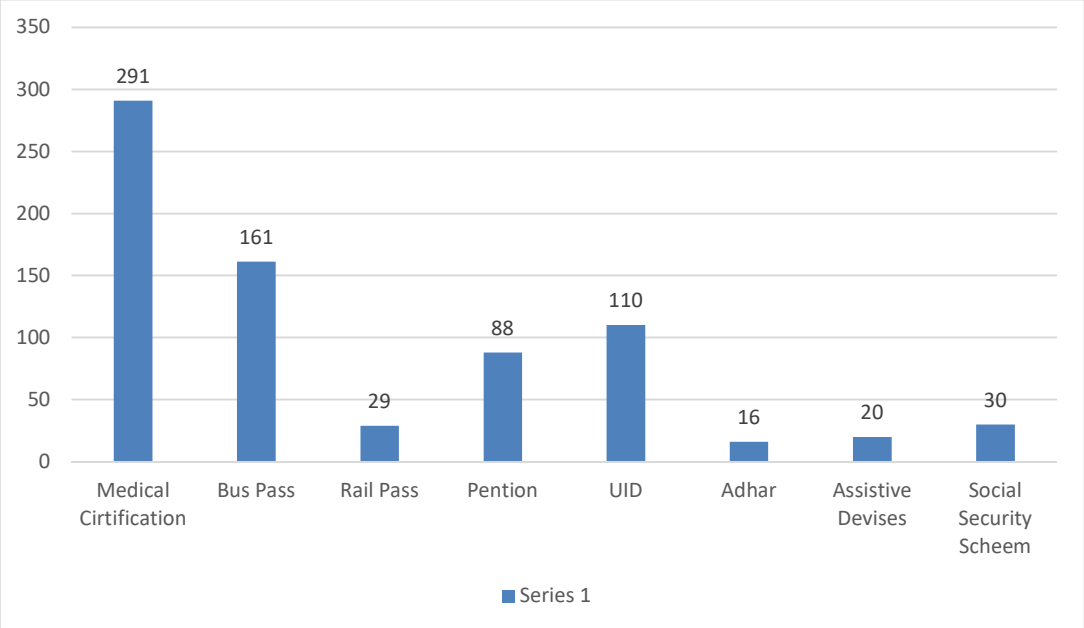

- **आवासीय देखभाल व पुनर्वास सेवाएं :** मीनू हॉस्टल में दूर –दराज क्षैत्र के बच्चों को शिक्षण, प्रशिक्षण एवं पुनर्वास की सेवाओं से नियमित जोड़ने के उद्देश्य से जनवरी 2006 से आवासीय व्यवस्था शुरू की गई वर्तमान में 22 बच्चों को सेवाएं दी जा रही है।

- **किलबिल बाल मेला, वार्षिक उत्सव, विश्व विकलांगता दिवस, प्रवेशोत्सव, गणतन्त्र दिवस, स्वतन्त्रता दिवस केन्द्र स्थापना दिवस एवं अन्य महत्वपूर्ण त्यौंहार, पर्व व जयन्तियों, कार्यशाला, प्रशिक्षण, आदि के माध्यम से बच्चों के संर्वागीण विकास के लिए निरन्तर प्रयास किए गए।**

सामुदायिक एवं मानसिक स्वास्थ्य
(Community and Mental Health)

- **शीघ्र हस्तक्षेपण कार्यक्रम**
  कम उम्र में ही बच्चों की विकलांगता एवं व्यवहार समस्याओं की पहचान एवं हस्तक्षेप कर भविष्य के दुष्प्रभावों को कम करने के उद्देश्य से निम्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है।

(अ) मीनू शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र के माध्यम से 18 बालक व 12 बालिकाओं सहित कुल 30 बच्चों को फिजियोथैरेपी, स्पीचथेरैपी, साइकोथेरैपी, विशेष शिक्षा आदि सेवाएं दी जा रही है।
(ब) अजमेर के राजकीय महिला चिकित्सालय, जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं सेन्ट फ्रांसिस अस्पताल एवं ब्यावर के अमृतकौर चिकित्सालय में सामुदायिक प्रेरकों व विशेषज्ञों द्वारा नियमित विजिट कर नवजात समस्याग्रस्त शिशुओं की पहचान एवं अभिभावकों को परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

- **एच.आई.वी. एड्स जागरूकता एवं बचाव कार्य**
  राजस्थान एड्स कन्ट्रोल सोसायटी के सहयोग से संस्था द्वारा निम्न कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।

(अ) टी.आई. परियोजना FSWs के द्वारा 933 यौनकर्मी महिलाओं के साथ कार्य किया जाकर उनको एच.आई.वी./एड्स से बचाव एवं उपचार के लिए जागरूक करते हुए वर्ष 2019–20 में निम्न गतिविधियॉ की गई

क्र.सं.	गतिविधि विवरण	संख्या
1	यौनकर्मी महिलाओं से व्यक्तिगत सम्पर्क	11263
2	यौनकर्मी महिलाओं की काउन्सलिंग	2331
3	यौनकर्मी महिलाओं की टेस्टिंग	1090
4	एच.आई.वी. / वी.डी.आर.एल. संक्रमित	04
5	रेगुलर मेडिकल चेकअप	1909
6	क्लिनिक विजिट	2050
7	यौन संक्रमित महिलाओं का इलाज	86
8	वी.डी.आर.एल. जॉच	800
9	निरोध वितरण	239580
10	डी.आई.सी. एवं होट स्पोट बैठकें	130

एच.आई.वी. जागरूकता के लिए परामर्श बैठकें एवं प्रशिक्षण

(ब) टी.आई.परियोजना IDUs के द्वारा 600 इन्जेक्टेबल ड्रग्स यूजर्स के साथ कार्य करते हुए निम्न गतिविधियॉ पूर्ण की गई।

क्र.सं.	गतिविधि विवरण	संख्या
1	आई.डी. यूज से सम्पर्क	6025
2	आई.डी. यूज की काउन्सलिंग	2097
3	आई.डी. यूज की की टेस्टिंग	863
4	पार्टनर टेस्टिंग	32

5	एच.आई.वी. संक्रमित एवं ए.आर.टी. से लिंक	12
6	क्लिनिक विजिट	1545
7	निडिल/सीरींज वितरण	257454
8	निडिल/सीरींज रिटर्न (विसंक्रमीकरण)	232580
9	वी.डी.आर.एल. जॉच	866
10	निरोध वितरण	14290
11	डी.आई.सी. बैठकें	24
12	होट स्पोट एवं समुदाय बैठकें	112
13	कार्यक्रम रिव्यु बैठकें	20

टी.आई. लक्षित समुदाय को सरकारी योजनाओं व उपचार सेवाओं का लाभ दिलाते हुए

(स) ट्रांजिट परियोजना के द्वारा प्रतिमाह लगभग 2000 प्रवासीयों में एच.आई.वी./एड्स जागरूकता के लिए निरन्तर रेल्वे स्टेशन एवं बस स्टेण्ड पर विजिट की जा रही है। रोजगार

के लिए बाहर जाने वाले लोगों को एच.आई.वी./एड्स के बारे में जागरूक कर उन्हे बचाव के उपाय समझाए जाते है। सुरक्षा के लिए निरोध एवं जानकारी से सम्बन्धित सामग्री भी उपलब्ध कराई जाती है।

- **चाइल्ड लाइन 1098**

चाइल्ड लाइन मुसीबत में फॅसे बच्चों की मदद के लिए 24 घण्टे राष्ट्रीय आपात कालीन मुफ्त फोन सेवा है जिसके माध्यम से मुसीबत में फसे बच्चो की मदद की जाती है।

वर्ष 2019–20 में चाइल्ड लाइन में कुल 2984 फोन कॉल प्राप्त हुए एवं 885 मामलों में हस्तक्षेप कर बच्चों की मदद की गई है।

Cases of April 2019 to March. 2020

Category	Total
Medical Help	**29**
Shelter	**187**
Protection From Abuse	**294**
Restoration	**36**
Parent Asking for Help	**47**
Did not find	**32**
Sponsorship	**7**
E S & G	**52**
Referred by another Child Line	**1**
Did not intervention	**43**
Other Intervention	**155**
Death related	**2**
Total	**885**

इसके अतिरिक्त चाइल्ड लाइन टीम ने 266 विजिट में 1445 घंटे आउटरीच, 39 नाइट विजिट के माध्यम से 94 घण्टे आउटरीच, 13 ओपन हाउस के माध्यम से 1415 लोगों में बाल अधिकार व बाल संरक्षण के मुद्दों पर जागरूकता, नवम्बर माह में दोस्ती सप्ताह, पुष्कर मेला प्रदर्शनी, बैठकों, कार्यशालाओं, स्टेक होल्डर्स से सम्पर्क आदि गतिविधियों के माध्यम से चाइल्ड लाइन एवं बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता का वातावरण तैयार करने का किया। विशेष रूप से पुलिस विभाग एवं बाल अधिकार व संरक्षण कार्य से सम्बन्धित संस्थाओं से सामंजस्य स्थापित करते हुए जिला स्तर

आजीविका संवर्धन एवं लघु वित्त
(Livelihood Promotion & Micro-Credit)

- **आजीविका संवर्धन कार्यक्रम**

  (अ) गिव इण्डिया परियोजना के माध्यम से 3 अति गरीब परिवारों को बकरी वितरण करते हुए बकरी पालन के माध्यम से इन परिवारों की आजीविका संवर्धन व पौषण की स्थिति में सुधार का प्रयास किया गया।

  (ब) रंग दे परियोजना से 69 बकरी पालक एवं अन्य आजीविका संवर्धन गतिविधियों के लिए समुदाय के गरीब परिवारों को लिए कम ब्याज पर 32 लाख रूपये का ऋण उपलब्ध कराया गया ताकि रकम के अभाव में जो परिवार बकरी पालन व्यवसाय नहीं कर पा रहे है वे ऋण प्राप्त कर उन्नत नस्ल बकरी खरीद सके या बकरी के आवास, चारे, पानी आदि का प्रबंध कर सके।

- **लघु वित्त कार्यक्रम**

  (अ) 212 स्वयं सहायता समूहों का संचालन कर 2377 महिला सदस्यों बचत कराते हुए आपसी लेन–देन, बैंक लिंकेज, आजीविका संवर्धन गतिविधियों का प्रशिक्षण व संचालन आदि के द्वारा आर्थिक व सामाजिक उत्थान के लिए प्रयास किया जा रहा है।

  समूहों में कुल बचत – 93.84 लाख रूपए
  आन्तरिक ऋण – 1.39 करोड़ रूपए
  बैंक ऋण – 8 करोड़ रूपये

(ब) लक्ष्मी कलश महिला मंच के माध्यम से समूहों व महिलाओं को संगठित कर बड़े स्तर पर बचत व ऋण वितरण के लिए कार्य किया गया है।

(स) स्वयं सहायता समूहों, कलस्टर व फेडरेशन स्तर पर बैठकों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा व सामाजिक मुद्दों (नशा, मृत्युभोज, जातिगत भेद, लिंगभेद, घरेलु हिंसा आदि) पर जागरूकता के साथ नियमित रूप से सरकारी व गैर सरकारी लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी जाती है ताकि गरीब परिवारों की महिलाएं इनका लाभ ले सके।

- **दक्ष व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र (DAKSHA - Vocational Training Centre)**

  45 वयस्क दिव्यांग छात्र–छात्राओं को व्यावसायिक कक्षाओं के माध्यम से निम्न यूनिट में वर्गीकृत करते हुए कार्य में दक्ष करने का प्रयास किया जाता है।

  (अ) स्टेशनरी यूनिट के माध्यम से हेण्ड मेड पेपर से डायरी, फाइल–फोल्डर, ग्रीटींग कार्ड बनवाए गए।

  (ब) वूडन यूनिट में फोटो फ्रेम, लेम्प, मोबाइल स्टेण्ड, ड्राई फ्रूट बॉक्स, पेन स्टेण्ड आदि आकर्षक उत्पाद तैयार करवाए गए।

  (स) डेको यूनिट में बच्चों से वेस्ट मटेरियल का प्रयोग करते हुए सजावटी वस्तुएं व राखी बनवाने का कार्य किया गया।

  मेयो कॉलेज, इन्जनियरिंग कॉलेज आदि विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं में प्रदर्शनी लगाकर बच्चों के द्वारा तैयार उत्पादों को विक्रय किया गया।

- **बागवानी एवं हाउस कीपिंग प्रशिक्षण**

  वयस्क दिव्यांगों को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से द हंस फाउण्डेशन के सहयोग से बागवानी एवं हाउस कीपिंग प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया है। वर्ष 2019–20 में कुल 77 दिव्यांगों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। 23 प्रशिक्षणार्थियों को इन्टर्नशिप एवं 13 को प्लेसमेन्ट करवाया गया।

- **दक्ष एबिलिटी एम्पावर फाउण्डेशन :–** फाउण्डेशन के माध्यम से वयस्क विकलांगों को वुडन, स्टेशनरी एवं बकरी खाद उत्पाद तैयार करने का प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ा जा रहा है।
- **रोजगार परामर्श शिविरों के माध्यम से वयस्क दिव्यांगों को रोजगार से जोड़ना के लिए भी संस्था द्वारा समय–समय पर प्रयास किया जाकर दिव्यांगो को रोजगार से जोड़कर उनके आत्म विश्वास व आत्म सम्मान को बढ़ाया है।**
- **300 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से संस्था की विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराना**
-

मानव संसाधन विकास कार्यक्रम
(Human Resources Development)

विशेष शिक्षा में प्रशिक्षित एवं दक्ष मानव संसाधन तैयार करने की आवश्यकता की पूर्ती करने के उद्देश्य हेतु संस्था द्वारा **"सागर कॉलेज"** के माध्यम से वर्ष 2019–20 में निम्न कार्यक्रम संचालित किए गए। उपरोक्त कार्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिषद से मान्यता प्राप्त व महर्षि दयानन्द विश्व विद्यालय की सम्बद्धता से संचालित है।

(अ) स्नात्तक उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए दो वर्षीय डिग्री कोर्स (प्रति वर्ष 30 सीटें)
विशेष शिक्षा में बी.एड. : B.Ed. SE (MR & ID) : 60 अभ्यर्थी लाभान्वित

(ब) 12 वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए दो वर्षीय डिप्लोमा (प्रति वर्ष 30 सीटें)
विशेष शिक्षा में डिप्लोमा : D. Ed. SE (MR) 60 अभ्यर्थी लाभान्वित

(स) आवश्यकतानुसार अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए गए।

(द) तृतीय एलमुनॉय मीट

दिनांक 29 दिसम्बर 2019 को संस्था परिसर में संस्थापक स्व. श्री सागरमल कौशिक की जन्म जयन्ती मनाई गई जन्म दिवस अवसर पर पूर्व डिप्लोमा प्रशिक्षणार्थियों की मीटिंग का आयोजन किया गया।

इन्टर्नशिप एवं वोलेन्टियर कार्यक्रम

वर्ष के दौरान विभिन्न शैक्षणिक व सामाजिक संस्थाओं के विद्यार्थियों व शोधार्थियों के द्वारा संस्था के कार्यक्रमों में भाग लेकर अपना अध्ययन कार्य करते हुए सामाजिक व सामुदायिक विकास कार्य को सीखा।

Sl.No	**Name of the Institute**
1	University of Delhi
2	Tilak Maharashtra Vidhyapeeth,
3	IGNOU
4	Centre for studies in rural development institute of social work and research
5	Pandit Deendyal Petroleum
6	Maharashtra National Law University
7	St.Albert's college, Kerala
8	Pandit Deen Dayal Petroleum University
9	TATA INSTITUTE OF SOCIAL Science
10	Canadian Group
11	Roda Mistry college of social work and research Centre
12	Asha college of special education
13	Govt. college of nursing (educational visit)

उपलब्धियॉ / सम्मान

- दिनांक 15 अगस्त 2004 को अजमेर जिला स्तर पर श्रेष्ठ एन.जी.ओ.।
- दिनांक 25 जनवरी 2007 को महामहिम राज्यपाल श्रीमती प्रतिभा पाटिल द्वारा उल्लेखनीय कार्य हेतु श्रेष्ठ राज्य स्तरीय गैर सरकारी संस्था।
- दिनांक 3 दिसम्बर 2009 अन्तर्रा ट्रीय विकलांग दिवस पर राज्य स्तर पर विकलांगों हेतु कार्य करने वाली सर्वश्रेष्ठ संस्था ।
- दिनांक 04 मई 2011 को नेशनल ट्रस्ट (अरूणिम) के द्वारा म्3 चैलेन्ज का प्रथम रा ट्रीय पुरस्कार व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्र का रुपान्तरण एन्टरप्राईज में करने के नवाचार हेतु प्राप्त हुआ।
- दिनांक 30 जून 2011 को स्टे्ट बैंक ऑफ इण्डिया (एस.बी.आई.) नार्थ जोन द्वारा एक्सेलेन्स अवार्ड मानसिक विकलांगता के क्षेत्र में कार्य करने हेतु ।
- दिनांक 5 सितम्बर 2011 को संस्था को रा ट्रीय स्तर पर नेशनल ट्रस्ट (भारत सरकार) द्वारा लोकल लेवल कमेटी अजमेर के श्रे ठ संचालन हेतु पुरस्कार दिया गया जिसे जिला कलेक्टर श्रीमती मंजू राजपाल एवं संस्था की मुख्य कार्यकारी श्रीमती क्षमा आर. कौशिक ने सयुक्त रूप से प्राप्त किया।
- दिनांक 15 अगस्त 2011 को जिला स्तर पर श्रेष्ठ समाज सेवक के रूप में संस्था की मुख्य कार्यकारी श्रीमती क्षमा आर. कौशिक को श्री जितेन्द्र सिंह, ऊर्जा मंत्री तथा जिला कलेक्टर श्रीमती मंजू राज्यपाल के हस्ते प्रमाण–पत्र तथा शील्ड प्रदान की गई ।
- दिनांक 3 दिसम्बर 2011 को राज्य स्तर पर मुख्य कार्यकारी को मानसिक विकलांगता के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ वर्कर का पुरस्कार दिया गया ।
- दिनांक 24 फरवरी 2013 को राष्ट्रीय स्तर पर 94.3 माई एफ.एम. भास्कर ग्रुप के जियो दिल से अवार्ड के प्रथम पारितोषिक वितरण में पब्लिक सर्विस कटेगेरी में विजेती।
- दिनांक 7 अप्रेल 2016 को मेयर अजमेर के द्वारा संस्था को जिला प्रशासन द्वारा आयोजित नव सवंत्सर कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।
- अन्तर्राष्ट्रीय पुष्कर मेला विकास प्रदर्शनी में संस्था के द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने पर किसान आयोग अध्यक्ष एवं सांसद सांवरलाल जाट, महिला एवं बाल विकास मंत्री अनीता भदेल, संसदीय सचिव सुरेश सिंह रावत भाजपा देहात अध्यक्ष बी.पी.सारस्वत के द्वारा प्रशस्ति प्रत्र देकर सम्मानित किया गया।
- दिनांक 18 मार्च 2017 को संस्था सचिव व मुख्य कार्यकारी श्रीमती क्षमा आर. कौशिक को मानव अधिकार संरक्षण समिति राजस्थान के द्वारा राज्य स्तरीय सम्मान प्रदान किया गया।
- दिनांक 27 मार्च 2017 को नव संवत्सर कार्यक्रम पर मीनू स्कूल को शिक्षा राज्य मंत्री श्री वासुदेव देवनानी के द्वारा सम्मानित किया गया।
- दिनांक 14 जुलाई 2017 को राष्ट्रीय स्तर पर ग्रीन अर्थ पेट्रोन फाउण्डेशन के द्वारा शोशियल अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड संस्था को ग्रामीण क्षैत्र में महिलाओं एवं गरीब परिवारों के आजीविका संवर्धन तथा एच.आई.वी. एड्स जागरूकता के लिए किए जा रहे कार्यों के लिये दिया गया।
- दिनांक 9 दिसम्बर 2017 को संस्था निदेशक राकेश कुमार कौशिक को विकलांग बच्चों के पुर्नवसन हेतू सर्वोत्तम कार्य करने के लिए **National Society for Equal Opportunities for**

the Handicapped (NASEOH) के द्वारा सुलक्षणा राम जन्म पाण्डेय अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड मुम्बई उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश माननीया सुजाता वसन्त मनोहर के द्वारा प्रदान किया गया।

- दिनांक 11 से 16 दिसम्बर 2017 तक स्पेशल ओलम्पिक भारत में संस्था द्वारा संचालित मीनू स्कूल के छात्र फाल्गुन चौहान ने रोलर स्केटिंग रेस में स्वर्ण पदक, रजत एवं ब्रॉन्ज पदक प्राप्त किया तथा वसीउल्लाखान ने 100 मीटर रिले रेस में चौथा स्थान प्राप्त किया। अजमेर शहर में रैली निकाल कर विभिन्न अधिकारियों, समाज सेवियों एवं समुदाय के प्रतिष्ठित लोगों के द्वारा फाल्गुन एवं वसी को सम्मानित किया गया।

- वर्ष के दौरान संस्था को राष्ट्रीय स्तर पर ग्रीन अर्थ पेट्रोन फाउण्डेशन के द्वारा शोशियल अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड संस्था को ग्रामीण क्षैत्र में महिलाओं एवं गरीब परिवारों के आजीविका संवर्धन तथा एच.आई.वी. एड्स जागरूकता के लिए किए जा रहे कार्यों के लिये दिया गया।

अन्य महत्तवपूर्ण गतिविधियॉ

भारत की प्रतिष्ठित एजेन्सीज गाईड स्टार इण्डिया मुम्बई एवं सेन्टर फॉर प्रमोटिंग एकाउन्टेबिलिटी, नई दिल्ली द्वारा उत्तरदायी अभिषासन (Governance) वित्तीय प्रबन्धन (Financial Management) एवं संवैधानिक अनुपालना (Internal Control Systems and Legal Compliance) हेतु प्रमाणित संस्था है।

दैनिक भास्कर | अजमेर, गुरुवार 21 नवंबर, 2019

चाइल्ड लाइन का दोस्ती सप्ता

बच्चों को दी बाल अधिकारों की जानकारी

अजमेर। चाइल्ड लाइन अजमेर के सहयोगी संगठन राजस्थान महिला कल्याण मण्डल का चाइल्ड से दोस्ती सप्ताह गुरुवार से शुरू हुआ। पहले दिन लोहागल स्थित शिशु एवं बालिका गृह के बच्चों के साथ बाल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त जिला कलक्टर मुरारीलाल वर्मा ने पं.नेहरू की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया। इसके बाद बच्चों के साथ केक काटा और चाचा नेहरू की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस मौके पर बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक अभिषेक गुजराती, नवीन किशोर न्याय बोर्ड सदस्य प्रकाश मीणा, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष डिम्पल शर्मा,

मीनू स्कूल के दिव्यांग बच्चों के साथ केक काटते पुलिस अधीक्षक। -नवज्योति

कुशालसिंह, राजेन्द्र पंवार, प्रेमनारायण शर्मा, सुरेन्द्र मेघवंशी, यशपालसिंह आदि व समुदाय के साथ विभिन्न मनोरंजक व जागरुकता गतिविधियों का आयोजन

मीनू मनोविकास मंदिर इनक्लूसिव (सम्मिलित) स्कूल की मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्षमा काकड़े

नि:शक्तजन की सेवा को समर्पित किया अपना पूरा जीवन

बदलाव की नायिकाएं

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

विशेष बच्चों के साथ संस्था की मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्षमा काकड़े।

अजमेर. कुदरत ने भले ही कुछ बच्चों में कुछ कमियां छोड़ दी लेकिन क्षमा काकड़े और उनका परिवार उनकी इस कमी को दूर करने के लिए दिनरात जुटा है। भले ही वो मानसिक विमंदित हो या शारीरिक नि:शक्तजन। ये बच्चे बदलाव की इस नायिका की जिन्दगी हैं। क्षमा और उनके परिवार के सदस्यों की दिनचर्या भी इन बच्चों व नि:शक्तजन के इर्दगिर्द ही घूमती है।

शहर से सात किमी दूर 33 साल से चाचियावास गांव में क्षमा काकड़े व उनका परिवार मानसिक विमंदित व नि:शक्तजन बच्चों का जीवन बदलने में जुटा है। सागरमल कौशिक ने 1987 में विमंदितों के विकास के लिए मीनू मनोविकास संस्था की नींव रखी, जिसे क्षमा व उनके पति राकेश काकड़े ने आगे बढ़ाया। राजस्थान महिला कल्याण मंडल की ओर से संचालित मीनू मनोविकास मंदिर इनक्लूसिव (सम्मिलित) स्कूल प्रदेश का पहला स्कूल है जहां विमंदित, विकलांग बच्चों के साथ सामान्य बच्चों को शिक्षा दी जाती है ताकि सामान्य बच्चों में भी सहयोग व सहानुभूति की भावना विकसित की जा सके। पत्रिका से बात करते हुए क्षमा काकड़े ने बताया कि दो विशेष बच्चों के साथ तोपदड़ा में शुरुआत हुई। बाद में वर्ष- 2000 में सिविल लाइंस फिर चाचियावास गांव आ गए। यहां आने का ध्येय यह था कि देश की 70 फीसदी आबादी गांव में बसती है लेकिन विमंदित व विकलांग बच्चों के लिए स्कूल शहरी क्षेत्र में ही होते हैं तो हमने प्रण लिया कि हम ग्रामीण बच्चों को भी साथ लाएंगे।

उन्होंने बताया कि संस्थान में फिजियोथैरेपी, स्पीच थैरेपी, सेंसेरडायट सेटअप विकसित है। यहां विशेष बच्चों को क्षमता के अनुरूप सीखने के लिए प्रेरित किया जाता है। वयस्क नि:शक्तजन में कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाते हैं। अभिभावकों को लगता है कि बच्चा विकलांग है, मानसिक विमंदित, सेरिबल है तो वह कुछ नहीं कर सकता है लेकिन यह सोच गलत है। ऐसे बच्चों के साथ बचपन से काम किया जाए तो उसकी क्षमतानुसार सिखाया जा सकता है। संस्था में वुड क्राफ्ट, स्टेशनरी, नर्सरी, हाउस कीपिंग व डेकोरेशन का प्रशिक्षण दिया जाता है। नर्सरी और हाउस कीपिंग का काम अब विमंदित बच्चे अजमेर के बड़े होटल में कर रहे हैं। यह देखकर कई कम्पनियों ने उन्हें नियमित कर्मचारी रखा है। अब तक 110 बच्चे नियमित रोजगार से जुड़ चुके हैं। वहीं बीस वयस्क नि:शक्तजन को पेड़-पौधों की देखभाल का काम मिल चुका है।

उत्पाद को देते अंतिम स्वरूप

विमंदित बच्चों के बनाए उत्पाद ज्यादा सुन्दर होते हैं लेकिन नि:शक्तजन उसे अंतिम स्वरूप देने का काम करते हैं। संस्थान में प्रत्येक व्यक्ति को उसकी क्षमता के अनुसार काम करना सिखाया जाता है। संस्थान में इस्तेमाल होने वाले उत्पाद का 80 फीसदी घर के खराब फर्नीचर की लकडी, पुराने कपड़े, न्यूज पेपर का इस्तेमाल किया जाता है। जिससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है।

क्षमता अनुसार प्रशिक्षण

काकड़े ने बताया कि संस्थान में मानसिक विमंदित बच्चा जब आता है तो उसका साइकियाट्रिस्ट, फिजियोथैरेपिस्ट और स्पेशल टीचर आंकलन करते हैं। बच्चे की आवश्यकता के अनुसार उसका टीचिंग प्रोग्राम तैयार किया जाता है। उसके अनुसार ही बच्चे पर काम किया जाता है। प्रत्येक तीन माह में सीखने की क्षमता को जांचा जाता है।

दैनिक नवज्योति | अजमेर, शुक्रवार, 18 अक्टूबर, 2019

दिव्यांगजन के अधिकार पर पोस्टर का विमोचन

सार्वजनिक स्थलों पर किए जाएंगे प्रदर्शित

कासं/अजमेर। राजस्थान महिला कल्याण मंडल चाचियावास के तत्वावधान में गुरुवार को दिव्यांगजन अधिकार और समावेशी शिक्षा की जागरुकता के पोस्टर का विमोचन मुख्य अतिथि जिला परिषद के सीईओ गजेन्द्र सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग हैं। अधिकार मिलने से इनके हौंसले बुलंद होते हैं और ये समाज की मुख्यधारा से जुड़ते हैं। संस्था सचिव एवं मुख्य कार्यकारी क्षमा आर. कौशिक ने बताया कि पोस्टर डिस्पले का कार्य जिला परिषद अजमेर से शुरू किया गया है। इक्कीस प्रकार की दिव्यांगताओं की जानकारी और जागरुक करने के लिए संस्था द्वारा इस विशेष पोस्टर का निर्माण किया गया। जिससे लोग दिव्यांगजन के अधिकारों के प्रति जागरुक होंगे। पोस्टरों के माध्यम से सरल से सरल भाषा में अधिकार, समावेशी शिक्षा, शिक्षण प्रशिक्षण और पुनर्वास के बारे में दर्शाया गया है। इन्हें राजकीय विद्यालय, आंगनबाड़ी केन्द्र, ग्राम पंचायत, चिकित्सालय आदि स्थानों पर लगाया जाएगा। जिससे दिव्यांगजनों को समावेशीकरण में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में अनुराग सक्सेना, ननूलाल प्रजापति, ईश्वर शर्मा आदि मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि संस्था दिव्यांगजन के समाज में समावेशीकरण को लेकर 1988 से निरन्तर प्रयास कर रही है। समुदाय आधारित कार्यक्रम के जरिए समाज के लोगों को जागरुक किया जा रहा है।

पोस्टर का विमोचन करते जिला परिषद के सीईओ गजेन्द्रसिंह। -नवज्योति

पत्रिका Sun, 08 March 2020

SUNDAY राजस्थान पत्रिका . अजमेर, रविवार, 11 अगस्त, 2019

एक हाथ नहीं है मगर हरियाली का जुनून, शारीरिक अपंगता भी नहीं बाधक, 20 से अधिक दिव्यांग जुटे हैं नर्सरी में पौध तैयार करने व क्राफ्टिंग कार्य सीखने में

हौसले से जिन्दगी जीने की पकड़ी राह

पत्रिका सोशल प्राइड

चन्द्रप्रकाश जोशी
rajasthanpatrika.com

अजमेर. चाचियावास में राजस्थान महिला कल्याण मंडल में दिव्यांग युवक ले रहे हैं नि:शुल्क गार्डनिंग का प्रशिक्षण और कर रहे पौध तैयार। पत्रिका

अजमेर. जिन्दगी में हौसला और जब्बा हो तो फिर मंजिल कितनी भी दूर क्यों न हो, उसे हासिल किया जा सकता है। चाहे शारीरिक व्याधि ही क्यों ना बाधक हो? किसी का एक हाथ नहीं, किसी का एक हाथ अपंग, पैर से चल नहीं सकते, और तो और जुबां से बोल भी नहीं सकते। ऐसे किशोर एवं युवकों की मेहनत व हौसले का नतीजा है कि अब वे नर्सरी तैयार कर रहे हैं, नई पौध लगाकर, गार्डनिंग (उद्यान) के गुर सीख रहे हैं। ये किशोर व युवक भविष्य में गार्डनिंग में अपना भविष्य संवारेंगे और स्वरोजगार के साथ आत्मनिर्भर बनेंगे।

अजमेर के चाचियावास में विशेष आवश्यकता वाले इन बच्चों को गार्डनिंग (उद्यानिकी) का चार माह का विशेष नि:शुल्क प्रशिक्षण मिल रहा है। यह वे बच्चे, किशोर एवं युवक हैं जो गांव में रहकर अपने भविष्य को लेकर चिंतित थे, कुछ कर गुजरने का जुनून था मगर कोई राह नहीं मिली। मगर चाचियावास में संचालित राजस्थान महिला कल्याण मंडल की ओर से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को चिह्नित किया, काउंसलिंग कर इन्हें प्रशिक्षण के लिए तैयार किया। चार माह तक नि:शुल्क आवास,

गमलों में पौध लगाने की तैयारी करते दिव्यांग युवक।

दिव्यांगों को अब मिल सकेगा रोजगार

विशेष आवश्यकता वाले (दिव्यांग) किशोरों व युवकों को गार्डनिंग का प्रशिक्षण एवं स्किल

गार्डनिंग से पर्यावरण को संवारने का सपना

किशनगढ़ के चूंदड़ी निवासी युवक ने कहा कि शारीरिक रूप से अपंगता और एक हाथ के चलते कोई रोजगार

समाज की मुख्य धारा में लाना मकसद

राजस्थान महिला कल्याण मंडल के निदेशक राकेश कौशिक व मुख्य कार्यकारी निदेशक क्षमा काकड़े कौशिक के अनुसार समाज की 10 प्रतिशत आबादी विशेष आवश्यकता वालों की है, इन्हें समाज की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए यह नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ऐसे युवक-किशोरों की एक महीने की इन्टर्नशिप भी खास होटलों, रिसोर्ट में नि:शुल्क होगी। इसके बाद कुछ संस्थानों, होटलों, रिसोर्ट में इन्हें रोजगार भी उपलब्ध हो सकेगा। 10 से 15 हजार रुपए तक की नौकरी इन्हें मिल सकेगी।

एक कॉल करें और गार्डनर बुलवाएं

कार्यकारी निदेशक क्षमा काकड़े के

दैनिक भास्कर, अजमेर, शनिवार 18 जनवरी, 2020

राजस्थान महिला कल्याण मंडल 10 सर्वश्रेष्ठ संस्था

अजमेर | बैंक ऑफ अमेरिका एवं मुंबई स्थित प्रतिष्ठित रिसोर्स एजेंसी 'दसरा' द्वारा 17 जनवरी को बौद्धिक एवं विकासात्मक दिव्यांगता पर किए रिसर्च के अनुसार भारत की 10 सर्वश्रेष्ठ संस्थाओं में राजस्थान महिला कल्याण मंडल चाचियावास को शामिल किया गया। इस संबंध में निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने बताया कि भारत की 405 संस्थाओं पर रिसर्च में से 147 का साक्षात्कार किया गया है। संस्था की सचिव क्षमा आर. कौशिक ने बताया के विभिन्न जिलों में सभी उम्र व्यक्तियों के साथ आंगनबाड़ अध्यापक, पंचायती राज संस चिकित्साकर्मियों की दिव्यांगत प्रशिक्षण का कार्य कर रही है। एवं गैर सरकारी सामाजिक

दैनिक भास्कर · अजमेर, गुरुवार 30 जनवरी, 2020

दिव्यांगों ने दिखाई प्रतिभ

अजमेर| राजस्थान महिला कल्याण मंडल चाचियावास के द्वारा दिव्यांगों
समुदाय में प्रदर्शित करने के उद्देश्य से वसंत पंचमी पर नवपल्ली कार्यक्र
किया। इसमें अजमेर व किशनगढ़ के एक हजार से ज्यादा लोगों ने शिरक
का उत्साह बढ़ाया। निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने बताया कि संस्
दिव्यांगों को कई कार्यों में प्रशिक्षित कर उन्हें न केवल रोजगार से जोड़ा ज
उनके द्वारा तैयार किए जाने वाले उत्पादकों को प्रदर्शित एवं विक्रय कर
का प्रयास किया जा रहा है। दक्ष फ्लोरा नर्सरी में तैयार किए गए मनमोह
फूलों के पौधों, वुडन तथा क्रोकरी से तैयार किए गए आकर्षक पॉट्स त
एबिलिटी फाउंडेशन के माध्यम से दिव्यांगों द्वारा तैयार किए गए वुड
क्लॉथ आइटम विक्रय आइटम विक्रय के लिए प्रदर्शित किए गए। संस
मुख्य कार्यकारी क्षमा आर कौशिक एवं निदेशक राकेश कुमार कौशि
को प्रदर्शनी का विजिट कर दिव्यांगों के द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों
ओर से संचालित कई कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम में राजकीय

राजस्थान पत्रि

राजस्थान पत्रिका . अजमेर, बुधवार, 04 दिसम्बर, 2019
patrika.com

दिव्यांग व सामान्य बच्चों ने लिया भाग

प्रतियोगिताओं में दिखाया दमखम, गानों

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

ब्यावर. संजय इन्क्लूसिव स्कूल के तत्वावधान में मंगलवार को तृतीय किलबिल बाल मेले का आयोजन गिब्सन हॉस्टल में किया गया। किलबिल बाल मेले में 50 से अधिक स्कूलों के दिव्यांग व सामान्य बच्चों ने भाग लिया।

मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि कृष्ण कान्त सिंघल ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयुक्त

ब्यावर के गिब्सन हॉस्टल मैदान में किलबिल मेले में दिव्यांग बच्चों की ओर से बनाए गए गमले। पत्रिका

आनन्द
देशभ
गानों
समारोह
नरेश
श्रीसीमें
व शा
कार्यक्र
सेन्ट्रल
सेंटपॉल
स्कूल,
प्रशिक्ष

दैनिक भास्कर | 04-Mar-2020
अजमेर Page 7

दैनिक भास्कर अज

बालश्रम बचपन के लिए घातकः डॉ. शेखावत

बालश्रम रोकथाम के लिए ऑपरेशन आशा प्रथम के तहत हुई कार्यशाला

अजमेर. चाइल्ड लाइन के सहयोगी संगठन राजस्थान महिला कल्याण मंडल की ओर से मानव तस्करी विरोधी इकाई अजमेर एवं पुलिस विभाग के साथ गुमशुदा नाबालिग बच्चों की तलाश एवं बालश्रम की रोकथाम के लिए विशेष अभियान ऑपरेशन आशा प्रथम के तहत कार्यशाला का आयोजन कर बाल अधिकार एवं बाल संरक्षण के मुद्दों पर मंथन किया। निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था की ओर से संचालित गतिविधियों व कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यशाला में अजमेर जिले के विभिन्न थानों के बाल कल्याण अधिकारियों व चाइल्ड लाइन कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉ. शक्तिसिंह शेखावत ने कहा कि बालश्रम बचपन के लिए घातक है अतः सभी को मिलकर इसकी रोकथाम के लिए प्रयास करना होगा। अतिरिक्त निदेशक शहर सुनील कुमार ने थानाधिकारियों को मानवीय भावनाओं के साथ बच्चों के कल्याण के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। मानव तस्करी विरोधी इकाई इंचार्ज अशोक कुमार विश्नोई ने ऑपरेशन आशा प्रथम के बारे में जानकारी देते हुए किशोर न्याय अधिनियम, बालश्रम प्रतिषेध अधिनियम आदि की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. शेखावत ने बच्चों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए जागरुकता के साथ कार्य करने पर बल देते हुए बच्चों की देखरेख व संरक्षण में बाल कल्याण अधिकारियों की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

संस्था सचिव एवं मुख्य कार्यकारी क्षमा. आर. कौशिक ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए खुले सत्र में बाल अधिकार व बाल संरक्षण के मुद्दों पर चर्चा की। कार्यशाला में जिला बाल संरक्षण इकाई सहायक निदेशक अभिषेक गुजराती, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष डिम्पल शर्मा, श्रम विभाग से प्रियंका चौहान, चाइल्ड लाइन सहर समन्वयक कुशाल सिंह रावत, केंद्र समन्वयक वनिता पंवार, प्रेमनारायण विक्रम सिंह, दिनेश कुमार, सुनिल, सुरेन्द्र, अनुराग, सक्सेना, लक्ष्मण सिंह आदि ने अपनी उपस्थिति दी। कार्यशाला का संचालन उपनिदेशक नानू लाल प्रजापति ने किया।

कार्यशाला में अतिथि और अन्य।

दैनिक भास्क

दिनांक : 6 दिसम्बर 2019

दिव्यांग को सहानुभ नही समानुभूति चा

रूपनगढ़. विश्व विकलांग दिवस पर दिव्यांग प्रमाणपत्र प्रदान

रूपनगढ़| विश्व विकलांग दिवस पर कस्बे में दिव्यांग बच्चों को विविध जानकारी दी तथा विकलांग प्रमाणपत्र, रेल व बस के पास प्रदान किए। आदर्श ग्राम पंचायत में राजस्थान महिला कल्याण मंडल, जन विकास समिति वाराणसी, कलेक्टिव एक्शन फॉर बेसिक राइट फॉरम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ रूपनगढ़ सरपंच भगवानदास लखन, क्रय-विक्रय सहकारी समिति

उन्होंने कहा कि संस्थ
समाजसेवा व दिव्यां
कार्य कर रही है तथ
प्रशिक्षण से लेकर
व्यवहारगत समस्याओं
सामाजिक सुरक्षा
जुड़ाव, व्यवसायिक
रोजगार उपलब्ध क
है। कार्यक्रम सम
मेधवाल, देवकरण कु
कि 8 ग्राम पंचायतों
600 दिव्यांग जन

अजमेर
dainiknavajyoti.com
अजमेर, गुरुवार, 6 फरवरी, 2020

यूनिवर्सल डिजायन ऑफ लर्निंग पर अध्यापक प्रशिक्षण

अजमेर। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल चाचियावास द्वारा राजकीय शिक्षकों के लिए यूनिवर्सल डिजायन ऑफ लर्निंग विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य अतिथि अतिरिक्त कलक्टर सुरेश सिन्धी ने कहा कि हमें हर उस समूह का जो पिछड़ा हुआ है, सहयोग करना चाहिए। दिव्यांग बच्चे अगर शाला में हैं तो उन्हें भी अन्य बच्चों की तरह समान अवसर उपलब्ध करवाएं, जिससे वो आगे बढ़ पाएं। संस्था सचिव क्षमा आर. कौशिक ने बताया कि पहले चरण में अजमेर शहर, श्रीनगर व पीसांगन ब्लॉक के 150 अध्यापकों व 150 प्रधानाध्यापकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। दूसरे चरण में ब्यावर शहर, मसूदा व जवाजा ब्लॉक के 300 अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान संस्थागत जानकारी के साथ सम्मिलित शिक्षा की आवश्यकता व अवधारणा यूनिवर्सल डिजायन ऑफ लर्निंग आदि विषयों पर अध्यापकों के साथ चर्चा की गई। संचालन अतिरिक्त निदेशक तरुण शर्मा ने किया।